MAEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MAEC)

सत्रीय कार्य 2024–2025
द्वितीय सेमेस्टर
(जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्र हेतु)

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय सेमेस्टर
'सत्रीय कार्य 2024–2025

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमएईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2025 है।

2) जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 है।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एमईसी–104: वृद्धि तथा विकास का अर्थशास्त्र

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमईसी 104
सत्रीय कार्य कोड : एएसटी/टीएमए/2024-25
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. समझाईये कि हैरॉड डोमार प्रतिदर्श सोलो प्रतिदर्श किस प्रकार भिन्न है। विकासशील देशों के विकास प्रक्रिया की व्याख्या के लिये उपरोक्त दोनों प्रतिदर्शों में कौन सा अधिक प्रासंगिक है?

2. ए.के. (A.K.) प्रतिदर्श में पूंजी का ह्यसमान लाभ क्यों नहीं होता है? मानव पूंजी की भूमिका को समझाते हुए लुकास के अंतर्गत वृद्धि प्रतिदर्श का विश्लेषण कीजिए।

खंड ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. आर्थिक वृद्धि तथा विकास में अंतर बताएं। समाज के लिये आर्थिक वृद्धि से प्राप्त लाभ संक्षेप में बताएं।

4 विकासशील देशों के श्रम बाज़ारों की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।

5 कुल कारक उत्पादिता के मापन के विभिन्न दृष्टिकोण क्या– क्या हैं?

6. आर्थिक असमता तथा आर्थिक वृद्धि में संबंध की चर्चा कीजिए।

7. आर्थिक विकास पर भौगोलिक कारकों का क्या प्रभाव होता है?

एम.ई.सी.–109 : अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–109
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-109/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024-25
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. ''शोध कार्य में निगमनात्मक कार्यप्रणाली (Deductive Stratege) तर्कों के अनुप्रयोग से प्रारंभ होती है जिससे सामान्य निष्कर्ष निकाले जाते है'' - इस कथन के आलोक में एक शोध प्रस्ताव का निर्माण करें जिसमें शोध प्रक्रिया मे सम्मिलित सभी चरणों का समावेश हो।

2. सामाजिक विज्ञानों में शोध करने हेतु निर्देशक सि्द्धांत (guiding principle)के रुप में आलोचनात्मक ढांचें की प्रमुख विशेषताओं को बतायें। क्या आप ऐसा मानते हैं कि आलोचनात्मक ढांचा पश्च प्रत्यक्षवाद तथा निर्वचनात्मक ढांचों से हटकर है? कारण दें।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

3. प्रतीपगमन प्रतिमान के विभिन्न रूपों की व्याख्या करें।
   सन् 2020 से सम्बन्धित उत्त्र प्रदेश राज्य के 46 जनपदों के काल्पनिक आंकड़ों के आधार पर प्रतीपगमन के परिणाम इस प्रकार दिए गए हैं:

   Log C= 4.30-1.34 log P +0.17 log Y

   Se= (0.91) (0.32) (0.20) $\overline{R}^2 = 0.27$

   जहां C= प्रति वर्ष प्रति सिगरेट पैक का उपभोग

   P= प्रति पैक सिगरेट की कीमत

   Y= प्रति व्यक्ति प्रयोज्य आय

   उपरोक्त के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर इें।

   (i) सिगरेट की मांग की कीमत लोच क्या होगी?

   (ii) सिगरेट की आय की लोच क्या होगी?

(iii) आप उपर दिये हुए समायोजित $\overline{R}^2$ से R^2 किस प्रकार ज्ञात करोगे।

4. प्रतिनिधि प्रतिचयन (representative sample)क्या है? सोदारण व्याख्या करें कि यादृच्छिक प्रतिचयने गैर-यादृच्छिक से प्रतिचयन किस प्रकार भिन्न होता है? यादृच्छिक प्रतिचयन किस प्रकार किसी अनुमिति की अभिनिति का निवारण करने में सहायक होता है।

4. परिमाणात्मक एवं गुणात्मक शोध में अंतर बतायें। गुणात्मक शोध के आंकड़ों के विश्लेषण की तकनीक के रूप में सहगामिता विश्लेषण की विशिष्टताओं एवं प्रयोज्यता की चर्चा करें।

6. संयुक्त सूचकांक क्या है? उदाहरण देते हुए संयुक्त सूचकांकों की रचना की प्रक्रिया की व्याख्या करें।

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखें
   (i) कारक भारण (Factor Loading)
   (i) विषय वस्तु विश्लेषण के दृष्टिकोण (approaches of content analysis)
   (ii) शोध अभिकल्पना (Research Design)
   (iii) क्रियात्मक शोध (Action Research)

एम.ई.सी.–205 : भारतीय आर्थिक नीति
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–205
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-205/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024-25
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. ''जनांकिकीय लाभांश एक बार आने वाला अवसर है और इसके 25 वर्ष तक चलने की उम्मीद है''- इस कथन के आलोक में जनांकिकीय लाभांश प्राप्त करने के मार्ग में आने वाली चुनौतियों की व्या**ख्या** करें।

2. शासन एवं सरकार के बीच अंतर बतायें। वेबसाइट http://info.worldBank.org/governance/wgi के माध्यम से विश्वव्यापी शासन संकेतक परियोजना और भारत के कुल संकेतकों को बतायें। यह भी बताऐं कि भारत ने इन विभिन्न आयामों में कैसा प्रदर्शन किया है ?

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. वित्तीय असंतुलन क्या हैं? इसके विभिन्न मापक क्या हैं? वित्तीय असंतुलनों के दूर करने में FRBM कहॉ तक प्रभावी हुआ है?

4. जलवायु परिवर्तन से आप क्या समझते हैं ?क्या इससे भारतीय कृषि प्रभावित हुई है? जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों को कम करने में कौन कौन से प्रयास किए गये हैं?

5. अनौपचारिक क्षेत्र क्या है ?अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों की चर्चा करें।

6. 2014-15 से भारत के भुगतान संतुलन की प्रमुख चुनौतियों एवं प्रवृतियों का लेखा जोखा दें।

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखें

(i) क्षेत्रीय विषमताऐं

(ii) रोजगार लोच

(iii) समाहित संवृद्धि

(iv) अंतरराज्यीय परिषद्